धरोहरों को सहेजने में बिताया पूरा जीवन

डॉ. यशोधर मठपाल को मिला वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जनवरी. पुरातत्व और शैल चित्रों से सजे कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर शुक्रवार को डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह और तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई. समारोह में वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार देश के विख्यात पुरातत्वविद और शैल चित्र संरक्षण विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ यशोधर मठपाल को प्रदान किया गया.

शैल चित्र अध्ययन के क्षेत्र में चार दशक से अधिक समय देने वाले डॉ मठपाल ने विंध्य, कैमूर, हिमालय और पश्चिमी घाटों में सैकड़ों गुफाओं की खोज की और संरक्षण की वैज्ञानिक पद्धतियों का विकास किया. उनके द्वारा पुरातात्विक धरोहर को सुरक्षित रखने की इस जीवंत परंपरा को ही सम्मान दिया गया. इसके साथ ही संगोष्ठी में पुरातत्व अभिलेखागार और संग्रहालय विज्ञान के बदलते परिदृश्य पर विमर्श हुआ. डॉ वाकणकर की विरासत को आधार बनाकर आयोजित यह राष्ट्रीय मंच पुरातत्व और सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण के नए आयाम तय करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहा है. कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपनी धरोहर को भविष्य तक पहुंचाने के संदर्भ में भी सवाल किया. इसके साथ इसी विषय पर डिजिटल अभिलेख निर्माण, हाइब्रिड डेटा संरक्षण और संग्रहालयों की नई भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. तकनीकी सत्रों में कल्याण कुमार चक्रवर्ती, प्रो रवि कोरिसेट्टर, के के सिद्धा, अरुण सिंघल और डॉ नंदिनी भट्टाचार्य जैसे विशेषज्ञों ने विचार रखे. जिनकी चर्चा में यह बात सामने आई कि संरक्षण की सफलता केवल वैज्ञानिक तकनीक में नहीं, बल्कि समाज की भागीदारी और पारंपरिक ज्ञान के सम्मान में भी निहित है. इस अवसर पर संगोष्ठी स्थल पर कई शोधपत्र भी प्रस्तुत किए गए और विरासत से जुड़े संस्थानों ने सूचना स्टॉल लगाए. पद्मश्री डॉ मठपाल की कलाकृतियों की विशेष प्रदर्शनी ने प्रतिभागियों को प्रागैतिहासिक गुफा कला के चरित्र और रंगों से परिचित कराया. यह कार्यक्रम तीन दिवसीय है. जो कि शनिवार को प्रतिभागियों के लिए भोपाल और आसपास के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण रखा गया है, जिसमें स्थल पर संरक्षण और अध्ययन की पद्धतियों को समझने का अवसर मिलेगा.

रचना लेखन भावों और संवेदनाओं की साधना

लेखिका संघ की राज्यस्तरीय देशभक्ति-नववर्ष गोष्ठी संपन्न

भोपाल, 9 जनवरी. लेखिका संघ द्वारा राज्यस्तरीय देशभक्ति एवं नववर्ष विशेष ऑनलाइन साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में प्रदेश की विभिन्न इकाइयों से जुड़ी साहित्यकार बहनों ने नववर्ष और देशभक्ति से ओतप्रोत रचनाएं प्रस्तुत कीं.

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए जबलपुर इकाई अध्यक्ष डॉ. कामना कौस्तुभ ने कहा कि 'तिरंगे का सम्मान देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है. रचना-लेखन केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि भावों और संवेदनाओं की साधना है.'

उन्होंने राष्ट्रगान के समय खड़े होकर सम्मान प्रकट करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए समाज को निरंतर प्रेरित किया जाना चाहिए. उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा- 'चिरागों की तरह सबको जलना पड़ता है, मुट्ठी बांधने से इंकलाब नहीं आते.' देशभक्ति और नववर्ष मंगलकामना से जुड़ी रचनाओं की उन्होंने मुक्तकंठ से सराहना की. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मालती बसंत ने सभी रचनाकारों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए नववर्ष पर अपनी रचना भी प्रस्तुत की. प्रांताध्यक्ष डॉ. साधना गंगराड़े ने मंडला, दमोह, कटनी, जबलपुर, विदिशा, सागर, शाजापुर एवं शुजालपुर इकाइयों से जुड़ी 27 साहित्यकार बहनों का स्वागत किया. उन्होंने बताया कि गोष्ठी में लगभग 70 साहित्यकार बहनें ऑनलाइन उपस्थित रहीं.

मंडला की अर्चना जैन ने 'हे मातृभूमि तेरी अर्चना अक्षत पुष्प से चाहूं', कटनी की मीरा भार्गव ने 'दसों दिशाओं में गूंज रहा है जय भारत का नाद', विदिशा की रेखा दुबे ने 'मेरे विकसित भारत की यह पहचान...', दमोह की प्रेमलता नीलम ने 'प्यारा सबका हिंदुस्तान, हम सब भारत की संतान', विदिशा की निशा सक्सेना ने 'किसी की चूड़ियों को चहकता छोड़ आया हूं' तथा दमोह की डॉ. इंद्रजीत भट्टी ने 'गुज़रे बरस की दहलीज पर कुछ अधूरे, कुछ टूटे सपने' का सशक्त पाठ किया. कार्यक्रम का संचालन कमल चंद्रा ने किया. सरस्वती वंदना कल्पना विजयवर्गीय ने प्रस्तुत की. ऑनलाइन तकनीकी व्यवस्था महिमा वर्मा ने संभाली तथा आभार प्रदर्शन प्रेक्षा सक्सेना ने किया.

एक नजर में

राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी में निटर भोपाल प्रथम

भोपाल. आईआईटी इंदौर, आईआईटी जोधपुर एवं सीएसआईआर- निस्पर नई दिल्ली द्वारा आईआईटी, इंदौर में दो दिवसीय राष्ट्रीय तकनीकी हिंदी संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस संगोष्ठी का उद्देश्य हिंदी में विज्ञान और तकनीकी संवाद को बढ़ावा देना था, और इसमें देशभर के प्रमुख संस्थानों और विश्वविद्यालयों से प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. इस संगोष्ठी में निटर भोपाल के प्रो. पी. के पुरोहित - प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता विज्ञान ने आमंत्रित वक्ता के रूप में 'हिंदी में विज्ञान' विषय पर व्याख्यान दिया. डॉ. पुरोहित ने विज्ञान को समझने में हिंदी की भूमिका और इसके महत्व पर विस्तार से चर्चा की. उनका व्याख्यान संगोष्ठी के प्रमुख आकर्षणों में से एक था और इससे यह सिद्ध हुआ कि निटर भोपाल हिंदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संवाद को एक मजबूत दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है. इस संगोष्ठी में देशभर के शीर्ष संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों से प्रतिभागियों ने पेपर प्रस्तुत किए. संगोष्ठी में निटर भोपाल की बबली चतुर्वेदी द्वारा विषय 'भाषा से डिजिटल संवाद तक: राजभाषा और तकनीक का संगम' पर आलेख प्रस्तुतीकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की.

भोपाल तमिल संगम का पोंगल महोत्सव 18 को

भोपाल. भोपाल तमिल संगम द्वारा पोंगल 2026 का भव्य आयोजन 18 जनवरी को कैरियर कॉलेज ऑडिटोरियम, भेल, भोपाल में किया जाएगा. इस आयोजन में तमिल संस्कृति की विविध झलक प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें पारंपरिक संगीत, नृत्य, कला और व्यंजनों का समावेश होगा. महोत्सव का प्रमुख आकर्षण तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग से पधारने वाले प्रतिष्ठित कलाकारों का दल होगा, जो मनमोहक प्रस्तुतियां देंगे. महोत्सव में पोंगल के पारंपरिक व्यंजन और पर्व-विशेष पकवान प्रस्तुत किए जाएंगे.

उच्च शिक्षा संस्थान में सेमिनार आज और कल

भोपाल. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय भाषा पर सेमिनार का आयोजन भारतीय भाषा समिति एवं भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में 10-11 जनवरी को किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न भारतीय भाषाओं पर चर्चा होगी, सेमिनार में जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, बनारस, हरियाणा, ग्वालियर आदि से विषय विशेषज्ञ आ रहे हैं. सेमिनार में भोपाल के सभी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों से छात्र और शिक्षक भाग ले रहे हैं. डॉ. एच.बी. गुप्ता, जिला संयोजक ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य विभिन्न भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहित करना. साथ ही उनके विकास के लिए रणनीति तैयार करना है.

दादाजी धाम मंदिर में श्रद्धालु करेंगे श्रमदान

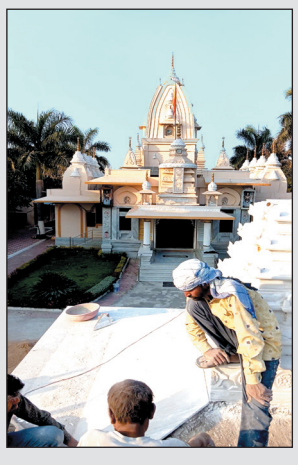

भोपाल, 9 जनवरी. भोपाल शहर के रायसेन रोड पटेल नगर में स्थित दादाजी धाम मंदिर मकर संक्रांति पर्व से पूर्व रविवार को 'आइए मिलकर अपने मंदिर को संवारें' अभियान के तहत श्रद्धालु श्रमदान करेंगे. श्रमदान का उद्देश्य मंदिर परिसर को स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित बनाए रखना है. इस दौरान श्रद्धालु मंदिर परिसर एवं दीवारों की सफाई, साथ ही समस्त देवी-देवताओं को गुनगुने जल से स्नान कराएंगे. श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट ने बताया कि यह श्रमदान कार्यक्रम रविवार को दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा. ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवारजनों एवं मित्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर मंदिर सेवा में सहभागी बनें.

आईईएचई और खुशीलाल आयुर्वेद कॉलेज में एमओयू

आयुर्वेद के माध्यम से भारतीय समृद्ध ज्ञान परम्परा को और सशक्त करना उद्देश्य

भोपाल, 9 जनवरी. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) भोपाल तथा पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय, भोपाल के मध्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए.

इस समझौते का प्रमुख उद्देश्य, आयुर्वेद और आधुनिक/मूलभूत विज्ञान के समन्वय के माध्यम से, भारतीय समृद्ध ज्ञान परम्परा को और अधिक सशक्त करना है. इस अवसर पर उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल और आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए. दोनों संस्थानों ने पारंपरिक भारतीय ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु स्थापित करने, गुणवत्तापूर्ण शोध को बढ़ावा देने तथा उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा और भारतीय ज्ञान परम्परा के विकास में सार्थक योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की. इस एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थानों के विभिन्न विभागों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे आयुर्वेदिक ज्ञान का आधुनिक विज्ञान के साथ समन्वित अध्ययन एवं अनुसंधान किया जा सके. इसका लक्ष्य मूलभूत विज्ञान और आयुर्वेद के सिद्धांतों को एकीकृत करना, शोध की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करना तथा भारत की समृद्ध और प्राचीन ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक अन्वेषण करना है. इस समझौते के अंतर्गत संयुक्त शोध परियोजनाएं, अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम तथा ज्ञान-साझाकरण गतिविधियां आयोजित की जाएंगी.

चक्रपाणि महाराज का कायस्थ संगठन करेगा अगवानी

भोपाल, 9 जनवरी. अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संत महासभा और चित्रगुप्त अखाड़ा महाराज स्वामी चक्रपाणि वृंदावन मथुरा से रविवार रात भोज विमानतल पर पहुंचेंगे. कायस्थ समाज के अनेक संगठनों के कार्यकर्ता, पदाधिकारी विमानतल पर पहुंचकर उनकी भव्य अगवानी करेंगे. स्वामी चक्रपाणि रविवार को कायस्थ समाज की संस्था कायस्थम द्वारा रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे. वहीं रविवार सुबह 11 बजे चित्रगुप्त मंदिर 1100 क्वार्टर में कायस्थ बंधुओं से भेंट करेंगे.

जीएमसी में वॉल पेंटिंग से अंगदान का संदेश

वार्षिकोत्सव युगांत के तहत मेडिकल छात्रों ने बनाई पेंटिंग

भोपाल, 9 जनवरी. गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में साहित्यिक एवं विज्ञान समिति द्वारा आयोजित वार्षिक उत्सव युगांत द टर्निंग ऑफ इरास के अंतिम दिन रंगारंग कार्यक्रम हुए. इस दौरान वॉल पेंटिंग, एक्सटेम्पोर, फैशन फ्रेम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में सभी बैचों के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. आयोजन की सफलता में समिति के सलाहकार डॉ. अनिल, अध्यक्ष डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव और वरिष्ठ सदस्य डॉ. जूही अग्रवाल सहित टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा. वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अंगदान, रक्तदान, टीकाकरण, स्वच्छ भारत मिशन, स्वस्थ भारत तथा नशा मुक्ति जैसे सामाजिक संदेशों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि डॉ. कविता सिंह ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया.

और उज्ज्वल भविष्य की

फार्मेसी विद्यार्थियों ने सीखी इंडस्ट्रियल लैब स्किल

बीयू में चार दिवसीय कार्यशाला का समापन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जनवरी. बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में पीएम उषा योजना के अंतर्गत आयोजित फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री की चार दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ. कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को दवा उद्योग में उपयोग होने वाले रासायनिक विश्लेषण और प्रयोगशाला प्रक्रियाओं से व्यवहारिक रूप से परिचित कराना रहा.

कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को न केवल विशेषज्ञों के व्याख्यान सुनने का मौका मिला, बल्कि हैंड्स ऑन ट्रेनिंग के माध्यम से रसायन विश्लेषण, उपकरण संचालन और प्रयोगशाला सुरक्षा जैसे व्यावहारिक कौशल भी सिखाए गए. दस संस्थानों से आए प्रतिभागियों ने प्रयोगात्मक सत्रों में सक्रिय भागीदारी की.

कार्यक्रम के संयोजक प्रो रागिनी गोथलवाल ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मकसद केवल सिद्धांत सीखना नहीं बल्कि उद्योग में लागू प्रक्रियाओं को समझना था. प्रो शिल्पा काओरे ने जोर देकर कहा कि फार्मेसी की पढ़ाई तभी सार्थक है, जब विद्यार्थी विश्लेषणात्मक तकनीकों में दक्ष और आत्मविश्वासी बनें. इसके साथ ही प्रो विवेक शर्मा ने विज्ञान को जीवन से जोड़कर समझने की प्रेरणा दी. समापन सत्र में कुलपति प्रो एस के जैन ने कहा कि विद्यार्थी जो सीख रहे हैं उसे व्यवहारिक जीवन और रोजगार जगत में लागू करें. उन्होंने कार्यशाला को कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया.

औकात का मतलब अपमान नहीं : पीयूष मिश्रा

भारत भवन में भोपाल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल का आगाज

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जनवरी. भारत भवन में शुक्रवार को भोपाल लिट्रेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के आठवें संस्करण का रंगारंग शुभारंभ हुआ. एक ऐसा तीन दिवसीय महोत्सव जहां 100 से अधिक लेखक, कलाकार और विचारक 60 से ज्यादा सत्रों में सहभागिता कर रहे हैं.

कार्यक्रम की शुरुआत कथक नृत्यांगना मीरल उपरित की गणेश वंदना और डीपीएस छात्राओं की सरस्वती वंदना से हुई. जिसके बाद फेस्टिवल ने दिवंगत साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को श्रद्धांजलि भी अर्पित की. पहले दिन अभिनेता, रंगकर्मी और कवि पीयूष मिश्रा की किताब तुम्हारी औकात क्या है पर केंद्रित सत्र में उन्होंने कहा औकात का मतलब अपमान नहीं, खुद से सवाल पूछने का साहस है. उन्होंने पुस्तक, थिएटर, कविता और अपने आध्यात्मिक अनुभवों पर खुलकर बात की. ब्रेन स्ट्रोक के बाद विपश्यना से जीवन में आए बदलाव का भी उल्लेख किया. इसके पहले फेस्टिवल उद्घाटन सत्र में साहित्यकार गोविंद मिश्र, सेज समूह के संजीव अग्रवाल, भारत भवन न्यास के चेयरमैन वामन केन्द्रे, फेस्टिवल फाउंडर राघव चन्द्रा और को-फाउंडर अभिलाष खांडेकर मौजूद रहे. शाम को दिल्ली की फौजिया दास्तांगो के साथ टीम ने गुरुदत्त के जीवन और गीतों पर संगीतमय प्रस्तुति दी. बूझ मेरा क्या नाम रे... और समय गुजरता जाय...जैसे गीत सुनाए.

पहला पक्षी महोत्सव | शहर में पहली बार हुए पक्षी महोत्सव में मुंबई के पक्षी विज्ञानी ने कहा

हम पक्षियों के बीच रहते हैं, पर उन्हें नहीं पहचानते

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 9 जनवरी. राजधानी भोपाल में पहली बार बर्ड फेस्टिवल का आयोजन शुक्रवार को प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में हुआ. मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय और भोपाल बर्ड कंजर्वेशन में संयुक्त रूप से आयोजित भोपाल पक्षी महोत्सव का उद्देश्य आसपास के पक्षी प्रजातियों को पहचानना, समझना और उन्हें बचाने के लिए समाज को जोड़ना था.

महोत्सव का उद्घाटन प्रधान वन संरक्षक शुभरंजन सेन और जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अजय यादव ने किया. समारोह में वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, प्रकृति प्रेमियों और युवाओं ने उत्साह के साथ भागीदारी दी. कार्यक्रम में आये लोगों ने कहा कि इस पक्षी महोत्सव से हमें ये समझ आ रहा है कि शहर में पक्षी संरक्षण किसी संस्था का काम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है. प्रकृति के इस महोत्सव ने यह बताया कि भोपाल केवल झीलों का शहर ही नहीं, पंखों वाली अनगिनत कहानियों का घर भी है. फेस्टिवल में पोस्टर प्रतियोगिता से लेकर फोटो प्रदर्शनी और नुक्कड़ नाटक तक गतिविधियां पूरे दिन चलीं. छात्रों ने पक्षी हमारे आसपास और उनका संरक्षण विषय पर पोस्टर बनाए, जिनमें कुछ ने शहरी पक्षियों की परेशानी को दिखाया तो कुछ ने आम लोगों की भूमिका बताई. फोटो प्रदर्शनी ने शहर के जलस्रोतों और जंगलों में बसे पक्षियों की विविधता को भी सामने रखा. इसके साथ ही दिन भर के कार्यक्रमों में लोगों ने विशेषज्ञ व्याख्यान को रुचिकर बताया. जिसमें बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी मुम्बई के नंदकिशोर दुधे ने बड्र्स अराउंड अस पर विशेष रूप से बात करते हुए बताया कि रोजमर्रा के जीवन में हम कितनी प्रजातियों के बीच रहते हैं, पर उन्हें पहचानते तक नहीं. उन्होंने नागरिक विज्ञान यानी आम लोगों की भागीदारी के महत्व को भी समझाया.

दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के नए अध्यक्ष का चुनाव कल

- आलोक जैन पंचरत्न व पंकज सुपारी में कांटे की टक्कर
- मतदान के लिए चार स्थान किए चयनित

भोपाल, 9 जनवरी. राजधानी में जैन समाज की सबसे प्रतिष्ठित संस्था दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के चुनाव में आलोक जैन पंचरत्न व पंकज सुपारी के बीच कांटे की टक्कर है. समाज का नया अध्यक्ष रविवार 11 जनवरी को चुना जाएगा. पंचायत कमेटी में 6535 सदस्य है, इसमें कोई महिला सदस्य नहीं है.

पंचायत कमेटी के चुनाव 11 जनवरी को होना है. इसमें अध्यक्ष पद के लिए आलोक जैन पंचरत्न व पकंज सुपारी दावेदार है.

आलोक जैन पंचरत्न पहली बार चुनाव पंचायत कमेटी का चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि पंकज सुपारी 2012 में एक बार चुनाव जीत चुके हैं. इसके बाद 2015 पंकज सुपारी ने फिर चुनाव लड़ा, लेकिन प्रमोद हिमांशु से चुनाव हार गए. इसके बाद अब 2026 में एक फिर चुनाव लड़ रहे हैं. दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के चुनाव में चार स्थानों को वोट डालने के लिए चयनित किया गया है. इसमें चौक जैन मंदिर धर्मशाला, झिरनों का मंदिर, जवाहर चौक मंदिर व एमपी नगर जैन मंदिर शामिल हैं.